>

Title: Need to formulate a concrete action plan for the welfare of farmers in the country.

श्री आर.के.ि ंसह पटेल (बांदा): माननीय उपाध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान इस देश के किसानों की दुर्दशा की ओर आकृष्ट कराना चाहता हूं। माननीय उपाध्यक्ष जी, हमारा देश किसानों का देश है और इस देश में एक घाघ कवि हुए हैं जिन्होंने कहा था कि " उत्तम खेती मध्यम बान, निखद चाकरी भीख निदान।" कभी हमारी खेती उत्तम हुआ करती थी, चाकरी निकृष्ट हुआ करती थी लेकिन आज उल्टा हो गया है। आज चाकरी उत्तम हो रही है और खेती निकृष्ट हो रही है। आज देश का किसान बुरी तरह से पिस रहा है। डीएपी के दाम, खाद के दाम बुवाई के समय दुगुने कर दिये जाते हैं, डीजल के दाम दुगुने कर दिये जाते हैं और समर्थन मूल्य आधा मिलता है। मैं माननीय उपाध्यक्ष जी आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूं कि पिछले बजट में माननीय वित्त मंत्री जी ने यह घोषणा की थी कि रासायनिक उर्वरकों के दाम की सब्सिडी को किसानों के स्मार्ट कार्ड बनाकर उन्हें सीधा दिया जाएगा। किन्तु सरकार ने वित्तीय वर्ष बीत जाने के बाद भी उस पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया है और किसान दुगुनी कीमत पर खाद ले रहा है और डीजल के बढ़े हुए दामों पर डीजल लेकर बुवाई कर रहा है। मैं माननीय प्रधान मंत्री जी से मांग करता हूं कि किसानों के हितों में कोई ठोस कार्य-योजना बनाकर उसे लागू किया जाए तथा किसानों की उत्पादन लागत का डेढ़ गुना दाम किसानों को दिया जाए और किसानों का समर्थन मूल्य निर्धारित करने के लिए एक कमीशन का गठन किया जाए जो समय-समय पर लागत का मूल्य निर्धारित करके डेढ़ गुना दाम किसानों को दे। यही मेरी आपके माध्यम से सरकार से मांग है। धन्यवाद।